ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये
आचार्य मनिष र. जोशी
सचिव
Prof. Manish R. Joshi
Secretary

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
University Grants Commission
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
(Ministry of Education, Govt. of India)

D.O. No. 91-1/2023 (SU-1)pt.file

4th March 2024 /14 फाल्गुन 1945

Subject: Categorisation of the University under UGC [Categorisation of Universities (only) for Grant of Graded Autonomy] Regulations, 2018.

Dear Sir,

As you are aware, UGC is mandated to determine, promote and maintain the standards of higher education in the country. UGC is constantly striving to create an enabling environment whereby higher education institutions in the country can become institutions of global excellence. UGC is also aware that global excellence can be achieved by extending autonomy to better-performing institutions for promoting and institutionalizing excellence in higher education.

In order to grant autonomy to the better-performing institutions, UGC has notified UGC [Categorisation of Universities (only) for grant of Graded Autonomy] Regulations, 2018 on 12th February 2018 in the Gazette of India.

Under the above Regulations, the proposal received from **Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University, Kanpur, Uttar Pradesh** has been examined, processed and considered by the Commission in its 577th meeting held on 13th February 2024. The Commission has decided to grade **Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University, Kanpur, Uttar Pradesh as a Category-I University** as per the above Regulations. The University shall now be eligible for all the benefits as stipulated under Clause 4, i.e., Dimensions of Autonomy for Category-I Universities, of these Regulations.

However, the University shall inform the Commission about the benefits being implemented and its changed status, as applicable, in accordance with Regulation 6 of the UGC [Categorisation of Universities (only) for Grant of Graded Autonomy] Regulations, 2018.

With regards,

Yours sincerely,

(Manish Joshi)

Prof. Vinay Kumar Pathak
Vice-Chancellor
Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University
Kanpur
Uttar Pradesh

ज्ञान विज्ञान विमुक्तये
आचार्य मनिष र. जोशी
सचिव
Prof. Manish R. Joshi
Secretary

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
University Grants Commission
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
(Ministry of Education, Govt. of India)

अर्द्ध शा. पत्र. 91-1/2023 (एसयू-1)pt. file **दिनांक: 4th March 2024 /14 फाल्गुन 1945**

विषय:- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग [ग्रेडेड स्वायत्तता प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालयों (केवल) का श्रेणीकरण] विनियम, 2018 के अंतर्गत विश्वविद्यालय का श्रेणीकरण।

महोदय,

जैसा कि आप अवगत हैं कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को देश में उच्चतर शिक्षा के मानकों का निर्धारण, प्रोन्नयन और अक्षुण्णता का अधिदेश दिया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग सुसंगत वातावरण सृजित करने के लिए लगातार प्रयासरत है जिससे कि देश में उच्चतर शिक्षा संस्थान वैश्विक उत्कृष्टता के संस्थान बन सकें। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग इस बात से भी अवगत है कि उच्चतर शिक्षा में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और उसके संस्थानीकरण के लिए बेहतर-प्रदर्शन करने वाले संस्थानों को स्वायत्तता प्रदान करके वैश्विक उत्कृष्टता प्राप्त की जा सकती है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने बेहतर-प्रदर्शन करने वाले संस्थानों को स्वायत्तता प्रदान करने हेतु भारत के राजपत्र में 12 फरवरी 2018 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग [ग्रेडेड स्वायत्तता प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालयों (केवल) का श्रेणीकरण] विनियम, 2018 अधिसूचित किया है।

उपरोक्त विनियमों के अंतर्गत, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 13 फरवरी 2024 को आयोजित अपनी 577वीं बैठक में **छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर, उत्तर प्रदेश** से प्राप्त प्रस्ताव की संवीक्षा, अग्रगमन और विचार किया गया है। आयोग ने उपरोक्त विनियमों के अनुसार **छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर, उत्तर प्रदेश को श्रेणी-I विश्वविद्यालय** का दर्जा देने का निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय अब इन विनियमों के खंड 4, अर्थात श्रेणी-I विश्वविद्यालयों के लिए स्वायत्तता के आयाम के तहत निर्धारित सभी हितलाभों के लिए पात्र होगा।

तथापि, विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग [ग्रेडेड स्वायत्तता प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालयों (केवल) का श्रेणीकरण] विनियम, 2018 के विनियम 6 के अनुसार लागू किए जा रहे हितलाभों और अपनी परिवर्तित स्थिति के बारे में सूचित करेगा।

सादर,

भवदीय,

(मनिष जोशी)

प्रो विनय कुमार पाठक
कुलपति
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय
कानपुर, उत्तर प्रदेश

Ph 23236351, 23232701, 23237721, 23234116
23235733, 23232317, 23236735, 23239437

www.ugc.ac.in



विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
बहादुरशाह जफर मार्ग
नई दिल्ली-110 002
UNIVERSITY GRANTS COMMISSION
BAHADURSHAH ZAFAR MARG
NEW DELHI-110 002

SPEED-POST

No. F. 5-2/2013 (CPP-I/PU) September, 2013

DR I Admin)

18 SEP 2013

The Registrar,
Chatrapati Sahuji Maharaj
Kanpur University,
Kanpur-208 024

Sub: - Status of Chatrapati Sahuji Maharaj Kanpur University, Kanpur.

Sir,

With reference of your letter dated 16.08.2013 on the above subject, I am directed to inform you that Chatrapati Sahuji Maharaj Kanpur University, Kanpur has been established by an Act of State Legislature of Uttar Pradesh as a State University and is empowered to award degrees as specified by the UGC under Section 22 of UGC Act, 1956 at its main campus in regular mode with the approval of Statutory bodies / Councils, wherever required.

Chatrapati Sahuji Maharaj Kanpur University, Kanpur is included in the list of Universities maintained by the UGC under section 2(f) and 12(B) of the UGC Act, 1956 and is eligible to receive central assistance.

Yours faithfully,

(P.K. Sharma)
Under Secretary

Scanned with OKEN Scanner